सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 104 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 19 मई, 2023

मूल्य ₹ 3/-

यदि आपका प्रिय सौ बार रूठे तो भी रूठे हुए प्रिय को मनाना चाहिए, क्योंकि यदि मोतियों की माला टूट जाए तो उन मोतियों को बार-बार धागे में पिरो लेना चाहिए।

-रहीम दास

मेरे ऊपर बदले की कार्रवाई कर... 8 | सिद्धारमैया मतलब जो चाहा वो... 3 | आईएएस टीना डाबी पर कार्रवाई... 7

शपथ है बहाना, चुनाव पर निशाना

कर्नाटक सीएम के शपथ ग्रहण में दिखेगा मजबूत विपक्ष

» 2024 लोस चुनाव पर है नजर, भाजपा को दिखाएंगे ताकत

» नीतीश, तेजस्वी, स्टालिन समेत कई बड़े नेताओं को न्यौता

» विपक्ष के सभी बड़े नेताओं को भेजा गया निमंत्रण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी अपनी बड़ी जीत के बाद सीएम के शपथ ग्रहण समारोह से विपक्षी एकता की भी तस्वीर दिखेगी। कांग्रेस शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने की योजना बनाई है। इस कार्यक्रम में जहां कांग्रेसी राज्यों के सीएम शामिल होंगे वहीं विपक्ष के हर बड़े नेता को न्यौता भेजा जाएगा। इस समारोह से कांग्रेस 2024 में अपनी ताकत दिखाने मंच भी बना रही है। इसके जरिये वह भाजपा को रोकने का रोडमैप भी तैयार करेगी।

ममता अपने सांसद को भेजेंगी

ममता ने कर्नाटक के सीएम के शपथ ग्रहण समारोह से दूरी बनाते हुए अपनी प्रतिनिधि को कार्यक्रम में भेज दिया है। इसकी जानकारी देते हुए सांसद डेरेक ओब्रायन ने कहा कि टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से कर्नाटक के मनोनीत मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगी।

आज दिल्ली आएंगे सिद्धारमैया व शिवकुमार

बेंगलुरु में 20 मई को होने वाले शपथग्रहण समारोह की तैयारियां की जा रही है। इस बीच कांग्रेस के नामित सीएम व वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया और नामित डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार आज दिल्ली आ रहे हैं। चर्चा है कि कांग्रेस नेता और विधायक जी परमेश्वर डिप्टी सीएम ना बनाए जाने से नाराज हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह ठीक है। हम सभी को किसी न किसी समय त्याग करना पड़ता है। कर्नाटक में अच्छी बात हो रही है। जी परमेश्वर सिद्धारमैया से मिलने उनके घर पहुंचे थे।

हालांकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इससे दूरी बनाने का फैसला किया है।दिया है और उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कई मुख्यमंत्रियों और पार्टी नेताओं को निमंत्रण भेजा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को आमंत्रित किया है। नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला को भी निमंत्रण भेजा गया है।

दलित, वोक्कालिगा... सभी को उचित हिस्सा मिलना चाहिए : पाटिल

एमबी पाटिल ने दलित समुदाय से आने वाले जी परमेश्वर के लिए डिप्टी सीएम पद की मांग पर कहा, जिसने भी मतदान किया, चाहे लिंगायत हो या दलित, वोक्कालिगा, या एसटी, मुस्लिम। इन सभी लोगों को उनका उचित हिस्सा दिया जाना चाहिए। मुझे विश्वास है कि हमारी पार्टी भी ऐसा ही करेगी। पार्टी इन सभी समुदायों को उचित सम्मान देगी।

बिहार सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने दी मोहलत

» आनंद मोहन रिहाई मामले की सुनवाई अब 8 अगस्त को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

डीएम की हत्या के मामले में पूर्व सांसद को मिली थी उम्रकैद

3 अक्टूबर 2007 को निचली अदालत ने आनंद मोहन को फांसी की सजा दी थी, जिसे पटना हाईकोर्ट ने 10 दिसंबर 2008 को उम्रकैद में बदल दिया था। आगे 10 जुलाई 2012 को सुप्रीम कोर्ट ने भी इस फैसले को बरकरार रखा था।आनंद मोहन पर सरकारी सेवक की काम के दौरान हत्या का दोष सिद्ध था, जिसमें रिहाई संभव नहीं थी। ऐसे मामलों में उम्रभर जेल में रहने का कानून था। उनकी रिहाई राज्य सरकार द्वारा कानून में बदलाव के कारण संभव हो सका है।

पटना। बाहुबली नेता आनंद मोहन की रिहाई के खिलाफ शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस जेएस पारदीवाला और जस्टिस सूर्यकांत की बेंच कृष्णैया के पत्नी उमा कृष्णैया की याचिका पर सुनवाई की। जिसके बाद आनंद मोहन की रिहाई पर जवाब देने कि लिए बिहार सरकार को और मोहलत मिल गई। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि बिहार सरकार रिहाई से जुड़े मूल दस्तावेज जमा करवाए। अब, याचिका पर सुप्रीम कोर्ट आठ अगस्त को सुनवाई करेगी। पांच दिसंबर 1994 को मुजफ्फरपुर में बिहार के गोपालगंज के जिलाधिकारी जी कृष्णैकया की उग्र भीड़ ने हत्या कर दी थी। हाल ही में जी कृष्णैया की हत्या के दोषी पूर्व सांसद और बाहुबली नेता आनंद मोहन को रिहा करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने जा रही है। बता दें कि 27 अप्रैल को बिहार सरकार ने इस मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आनंद मोहन को रिहा कर दिया था।

राहुल की अमेरिका यात्रा पर पोस्टर जारी

» कैलिफोर्निया में लगाएंगे मोहब्बत की दुकान

» 28 मई से शुरू होगा 10 दिवसीय दौरा

» पीएम का दौरा 22 जून को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेरिका दौरे के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। राहुल गांधी का दौरा अब 28 मई को अपनी 10 दिवसीय अमेरिका की यात्रा शुरू करेंगे। इससे पहले उनका 31 मई से जाने का कार्यक्रम था।

राहुल गांधी 29-30 मई को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे और प्रवासी भारतीयों से मिलेंगे। राहुल गांधी 30 मई को कैलिफोर्निया के सांटा क्लारा में मोहब्बत की दुकान लगाएंगे। जी हां, राहुल गांधी के कार्यक्रम का नाम मोहब्बत की दुकान रखा गया है। इसका पोस्टर भी जारी हो गया है। राहुल की यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा से पहले हो रहा है। पीएम मोदी 22 जून को अमेरिका के दौरे पर जा रहे हैं।

भाजपा कायरों की जमात, पुलिस प्रशासन का करती है दुरुपयोग : अखिलेश

2024 के लोस चुनाव में जनता उखाड़ फेकेगी मोदी सराकर

» कार्यकर्ता अपनी ताकत पहचानें और एकजुट होकर बीजेपी का हर स्तर पर करें मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि बीजेपी कायरों की जमात है, इसीलिये वह अपने बचाव के लिये पुलिस-प्रशासन का नाजायज इस्तेमाल करती है। सपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं को बीजेपी के अन्याय का हर स्तर पर संगठित होकर मुकाबला करने की हिदायत दी।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने यहां पार्टी मुख्यालय पर एकत्र पार्टी के नवनिर्वाचित स्थानीय निकाय अध्यक्षों, सभासदों और प्रमुख नेताओं को सम्बोधित करते हुए जोर देकर कहा, बीजेपी की कोई भी ताकत वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता के सामने टिक नहीं सकती है। बीजेपी कायरों की जमात है, वह अपनी कायरता के बचाव में पुलिस-प्रशासन का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन जनता की ताकत से कोई बड़ा नहीं है। सपा प्रमुख ने कहा,बीजेपी सत्ता के दुरुपयोग और बेईमानी से चुनाव परिणाम अपने पक्ष में करने की साजिश तो रच सकती है, मगर समाजवादियों की ताकत हर तरह से बीजेपी से ज्यादा है। कार्यकर्ता और नेता अपनी ताकत पहचानें, वे एकजुट होकर बीजेपी का हर स्तर पर मुकाबला करें। बीजेपी ढलान पर है और वह समाज में बिखराव पैदाकर छल, बल से और षड्यंत्र के जरिये लोकतंत्र पर जबरन कब्जा कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता बीजेपी के अन्याय, अत्याचार के खिलाफ एकजुट हो जाएगी तो उसके सामने 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी टिक नहीं पाएगी। अगले लोकसभा चुनाव में जनता बीजेपी को उसके अहंकार, भ्रष्टाचार और झूठे वादों का करारा जवाब देगी। बीजेपी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों से अर्थव्यवस्था चौपट हो गयी है, किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, किसानों को फसलों का लागत मूल्य भी नहीं मिल पाया है। नौजवानों का भविष्य अंधेरे में है, बीजेपी पूंजीपतियों की हितैषी और गरीब विरोधी है, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है, चारों तरफ अराजकता है।

एमएलसी चुनाव की राह आसान नहीं

लखनऊ। विधान परिषद की दो सीटों के उपचुनाव के लिए भाजपा के बाद सपा प्रत्याशियों ने भी बृहस्पतिवार को नामांकन कर दिया। इससे निर्विरोध नजर आ रहे उपचुनाव में मतदान तय हो गया है। संख्या बल के हिसाब से जीत की कोई गुंजाइश न नजर आने के बावजूद सपा की दावेदारी से यह उपचुनाव कई मायने में महत्वपूर्ण हो गया है। परिषद के सदस्यों का चुनाव विधानसभा के सदस्य करेंगे। सभी सदस्य दोनों ही सीटों के लिए अलग-अलग वोट करेंगे। इस तरह से हार-जीत का फैसला बहुमत से होगा। विधानसभा के 403 सदस्यीय सदन में प्रत्येक सीट के लिए मतदान में पड़े मतों में आधे से एक अधिक वोट जीत के लिए चाहिए। सभी वोट पड़ने पर जीत के लिए 202 वोट जरूरी होंगे। सत्ताधारी भाजपा व सहयोगी दलों को मिलाकर 274 सदस्य हैं। यह संख्या जीत के लिए आवश्यक मतों से बहुत ज्यादा है। इसके बावजूद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने प्रत्याशी उतार दिए। बताया जा रहा है कि सपा ने रणनीति के तहत पूर्वांचल के मऊ से अति पिछड़ा वर्ग से रामजतन राजभर और कौशांबी से अनुसूचित जाति के रामकरन निर्मल को प्रत्याशी बनाया है। रामजतन एमएलसी रह चुके हैं और निर्मल लोहिया वाहिनी के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष हैं। भाजपा ने लोकसभा चुनाव से पहले संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं को महत्व देते हुए रणनीति के तहत पार्टी पदाधिकारियों को मौका दिया है। दोनों ही प्रदेश संगठन में उपाध्यक्ष हैं। अवध के बहराइच से पदमसेन चौधरी पिछड़ा वर्ग के कुर्मी समाज व बुंदेलखंड के कानपुर निवासी मानवेंद्र सिंह क्षत्रिय समाज से हैं।

पीएम के मार्गदर्शन में काम करना सौभाग्य की बात : बघेल

» विधि एवं न्याय मंत्रालय से हटाकर सौंपा गया स्वास्थ और परिवार कल्याण विभाग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कानून मंत्रालय से किरेन रिजिजू को हटाए जाने के कुछ घंटे बाद ही इस महत्वपूर्ण मंत्रालय के राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल को स्वास्थ और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री का जिम्मा सौंप दिया गया।

एसपी सिंह बघेल ने कहा,पीएम नरेंद्र मोदी और किरेन रिजिजू के मार्गदर्शन में राज्यमंत्री के रूप में सेवा करना एक सौभाग्य और सम्मान की बात रही है, मैं भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, मुख्य न्यायाधीशों और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों, निचली न्यायपालिका और पूरे कानून अधिकारियों एवं कर्मचारियों को न्याय की आसानी करने और हमारे नागरिकों के लिए कानूनी सेवाएं प्रदान करने में समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। लोकसभा में उत्तर प्रदेश के आगरा संसदीय क्षेत्र (अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित) का प्रतिनिधित्व करने वाले बघेल को जुलाई 2021 में केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल किया था। इसके बाद उन्हें विधि एवं न्याय मंत्रालय में राज्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

गरीब का बच्चा पढ़ गया तो चौथी पास राजा का महल हिल जाएगा : सिसोदिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप नेता मनीष सिसोदिया ने जेल से देश के नाम एक और पत्र लिखा है, जिसको दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने आधिकारिक ट्विवटर हैंडल पर शेयर किया है। केजरीवाल द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए इस पत्र में आप नेता ने लिखा, अगर हर गरीब को मिली किताब तो नफरत की आंधी कौन फैलाएगा। सबके हाथों को मिल गया काम तो सड़कों पर तलवारें कौन लहराएगा। अगर पढ़ गया, हर गरीब का बच्चा तो चौथी पास राजा का राजमहल हिल जाएगा।

अगर हर किसी को मिल गई अच्छी शिक्षा और समझ तो इनका व्हाटसप का विश्वविद्यालय बंद हो जाएगा। पढ़े-लिखे और समझदारी की बुनियाद परखड़े समाज को कोई कैसे, कौमी नफरत के मायाजाल में फंसाएगा। अगर पढ़ गया एक-एक गरीब का बच्चा तो चौथी पास राजा का राजमहल हिल जाएगा।

स्वामी अपना इलाज कराएं पैसा मैं दूंगा : जयवीर सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने सपा महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंन कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य खुराफाती हैं। अखिलेश यादव को उन पर ध्यान देने की जरूरत है। उनका इलाजा कराया जाना चाहिए, अगर पैसों की कमी हो तो मैं पैसा देने को तैयार हूं।

मंत्री जयवीर सिंह ने स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि ऐसी बातें कोई मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति ही कर सकता है।

रामराज धोखा है : स्वामी प्रसाद

दरअसल, सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीजेपी सरकार पर आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को एक ट्वीट किया था। इस ट्वीट में उन्होंने लिखा था कि 'रामराज धोखा है, पहले भी रामराज के नाम पर कभी शम्बूक का सिर काटा गया तो कभी एकलव्य का अंगूठा और अब दलितों, आदिवासियों व पिछड़ों का आरक्षण काटा जा रहा है, यानी संविधान प्रदत्त आरक्षण खत्म किया जा रहा है। जागो सावधान हो जाओ, रामराज हटाओ-आरक्षण बचाओ' स्वामी प्रसाद मौर्य इसी बयान पर मंत्री जयवीर सिंह ने पलटवार किया है।

भाजपा ने बनाया धर्म को प्रचार का माध्यम

» कमलनाथ बोले- महाकाल से भक्तों को दूर करना गलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि महाकाल को भक्तों से दूर करना गलत है। धर्म आचार और विचार का विषय है। भाजपा ने इसे राजनीतिक प्रचार का विषय बना दिया। महाकाल लोक का काम कांग्रेस सरकार ने शुरू किया था। अब उसे भाजपा सरकार भुना रही है। उन्होंने अन्य कई सवालों के जवाब भी दिए।

नेताओं के लिए उन्होंने कहा कि मैं चार सर्वे करा रहा हूं। जिस नेता का नाम तीन सर्वे में होगा। उसे मैं मजबूत मानूंगा। उस नेता को मैं चुनाव के तीन चार माह पहले ही इशारा कर दूंगा। टिकट चयन को लेकर कोई दबाव प्रभाव नहीं झेलूंगा, हालांकि इस बार जनता भाजपा से खफा है। उम्मीदवारों के बजाए इस बार मतदाता संगठन को महत्व देंगे। हमारी कांग्रेस में स्ट्रक्चरल डिफेक्ट है। ब्लॉक अध्यक्ष क्या 130-140 बूथ संभाल सकते हैं।

मैंने सोनिया गांधी जी को कहा था कि हमें ब्लॉक छोटे करना चाहिए। वे सहमत नजर आईं और वरिष्ठ पदाधिकारियों से बात करने को कहा। तब आस्कर फर्नांडिस ने संगठन के संविधान में बदलाव करने की बात कही। मैंने उनसे कहा कि हमारी पार्टी का संविधान कौन सा गीता-बाइबिल है। उन्होंने कहा कि दूसरे प्रदेशों से बात करेंगे। मैंने तब सोचा कि ये उनके बस की बात नहीं है। मैंने छिंदवाड़ा में यह फॉर्मूला लागू किया। पूरे जिले में कांग्रेस के विधायक हैं। प्लेट साफ करने वाला आज छिंदवाड़ा का मेयर है।

सिंधिया चुनाव हार रहे हैं

कांग्रेस में दूसरी पार्टी से तभी कोई नेता आएगा, जब स्थानीय कार्यकर्ता उसकी पैरवी करेंगे। भाजपा के कई नेता मेरे पास आते हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया चुनाव हार रहे हैं। यह बात मुझे सर्वे की टीम ने बता दी थी। मैंने उन्हें फोन लगाकर भी कहा था कि लोकसभा चुनाव को हल्के में मत लेना। मतदान के पांच दिन पहले टीम ने बता दिया था कि वे एक लाख से ज्यादा वोटों से चुनाव हार रहे हैं। राहुल गांधी की जो इमेज से सोशल मीडिया पर भाजपा की आईटी सेल बनाने की कोशिश करती है। उससे आम आदमी को कोई फर्क नहीं पड़ता। किसी गांव में जाकर पूछिए कि क्या राहुल गांधी पप्पू हैं तो ग्रामीण कहेंगे कि तो क्या हुआ मेरे बेटे के नाम भी पप्पू है। राहुल तो आम आदमी की बात करते हैं। वे तो हमारे जैसे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मैंने लोगों से 30 विधानसभा सीटों को लेकर फीडबैक लिया है।

सिद्धारमैया मतलब जो चाहा वो पा लिया

» कर्नाटक में जनप्रिय नेता पिछड़ा वर्ग में है अच्छी पैठ

» पहले जनता दल में थे, जेडीएस छोड़कर कांग्रेस में आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कर्नाटक। विधायकों से सीक्रेट वोटिंग में सिद्धारमैया का पलड़ा भारी पडा और वे मुख्यमंत्री बन गए। राजनीतिक पंडित कहते हैं कि सिद्धारमैया कांग्रेस विधायक दल के लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए पहले नेता हैं। 10 साल बाद सिद्धारमैया फिर से डीके शिवकुमार पर भारी पड़े हैं। 2023 के कर्नाटक चुनावों में कांग्रेस को बहुमत मिला है।

सिद्धारमैया का जन्म 12 अगस्त 1948 को मैसूरु जिले के सिद्धारमहुंडी गांव के किसान परिवार सिद्धारमे गौड़ा के घर में हुआ। कुरुबा गौडा समुदाय में जन्मे सिद्धारमैया पांच भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर हैं। बचपन में पढ़ाई को लेकर सिद्धारमैया की कोई विशेष रुचि नहीं थी। वह मवेशियों की देखभाल और खेतों में पिता का हाथ बंटाते थे। बाद में पिता ने उन्हें पढ़ाई के लिए राजी किया और गांव के बुजुर्ग अप्पाजी उनके पहले शिक्षक बने। सिद्धारमैया के एक रिश्तेदार बताते हैं कि सिद्धारमा का अर्थ होता है एक ऐसा शख्स जो वह चाहता है, उसे पा लेता है। सिद्धारमैया बचपन से ही जिद्दी और समझौता न करने वाले शख्स रहे हैं। उनकी यही क्वालिटी राजनीति में उन्हें यहां तक लेकर आई है। चाचा राम गौड़ा बताते हैं कि सिद्धारमैया के पिता की उस वक्त बहुत आमदनी नहीं थी। वो पढ़ाई के लिए एक-एक पैसा बचाते थे। सिद्धारमैया स्कूल जाने के बाद भी पहले की तरह ही पिता की मदद करते रहे।

पिछड़ा वर्ग में बढ़ी पॉपुलैरिटी

2004 में कांग्रेस और जेडीएस ने मिलकर कर्नाटक में सरकार बनाई। कांग्रेस के धरम सिंह मुख्यमंत्री बने। वहीं सिद्धारमैया को डिप्टी सीएम बनाया गया। सिद्धारमैया सीएम के चेहरे के तौर पर तेजी से उभर रहे थे और खुद को पिछड़े वर्ग के नेता के रूप में स्थापित करने लगे। इसी बीच अनुभवी राजनेता आरएल जालप्पा ने अहिंदा बनाया जो अल्पसंख्यकों, ओबीसी और दलितों को एकजुट करता है। जालप्पा के साथ सिद्धारमैया भी अहिंदा को आगे बढ़ाने में जुट गए। साथ ही एक के बाद एक तीन अहिंदा सम्मेलन बुलाया गया। इसने सिद्धारमैया का कद बढ़ा दिया।

कभी सब्जियां और राशन लेने के 10 किलोमीटर जाते थे

वह सब्जियां और घर का राशन लेने के 10 किलोमीटर पैदल चलकर जाते थे। घर आने पर पिता उन्हें मसालेदार मुरमुरा देते, जो सिद्धारमैया को काफी पसंद था। दूसरे चाचा सिद्देगौड़ा कहते हैं कि वे शुरू से जानते थे कि सिद्धारमैया कुछ अलग है। उनका भतीजा गांव का पहला ग्रेजुएट होने के साथ एक वकील भी है। सिद्धारमैया ने लॉ की पढ़ाई पूरी करने के बाद मैसूरु में एक वकील चिक्काबोरैया के अधीन एक जूनियर के रूप में काम किया, जिसने युवा सिद्धारमैया को निखारा। सिद्धारमैया के सीनियर रहे चिक्काबोरैया बताते हैं कि जब वह प्रैक्टिस करने लगे तो हर केस से जुड़े नोट्स लेते थे और रिसर्च करने के बाद ही जज के सामने बहस करते थे। वह कहते हैं कि सिद्धारमैया राजनीति में नहीं गए होते तो अच्छे वकील होते। कानूनी पेशे में सिद्धारमैया के एक दूसरे सहयोगी थम्मन्ना गौड़ा ने कहा कि वह 1979 से पहले से उन्हें जानते हैं। उन्होंने बताया कि सिद्धारमैया ने न केवल कोर्ट में प्रैक्टिस की, बल्कि एक स्थानीय लॉ कॉलेज में पार्ट टाइम पढ़ाया भी। उन्होंने बताया कि जब वे एक बार सिद्धारमैया के कमरे में गए तो उन्हें काफी आश्चर्य हुआ। कमरे में कपड़े से ज्यादा किताबें थीं। उन्होंने कहा कि जहां तक वह जानते हैं, सिद्धारमैया एक खाट पर सोते थे और अपने पूरे शैक्षिक जीवन में एक संयमित जीवन जिया।

देवगौड़ा ने टिकट नहीं दिया, तो निर्दलीय जीत गए

वकालत करने के दौरान सिद्धारमैया को उनके एक सहयोगी वकील नंजुंदा स्वामी ने तालुका चुनाव लड़ने की सलाह दी। साल 1978 सिद्धारमैया ने चुनाव लड़ा और मैसूरु तालुका के लिए चुन लिए गए। सिद्धारमैया डॉ. राम मनोहर लोहिया के समाजवाद से प्रभावित थे। उन्होंने वकालत छोड़कर राजनीति में प्रवेश किया। साल 1983 की बात है। सिद्धारमैया बेंगलुरु में जनता पार्टी के ऑफिस के बाहर कर्नाटक की चामुंडेश्वरी विधानसभा सीट से टिकट पाने की आस में बैठे थे। उस वक्त जनता पार्टी के अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा थे। देवगौड़ा ने सिद्धारमैया को टिकट देने से साफ मना कर दिया। सिद्धारमैया ने हार नहीं मानी और अपने राजनीतिक गुरु अब्दुल नाजीर साब की सलाह पर चामुंडेश्वरी से निर्दलीय चुनावी मैदान में उतर गए। इसी बीच लोक दल ने भी सिद्धारमैया को समर्थन दे दिया। बिना किसी राजनीतिक अनुभव के सिद्धारमैया जीत गए और रामकृष्ण हेगड़े के नेतृत्व वाली पहली गैर कांग्रेसी सरकार का समर्थन किया। इसके बाद पुराने मैसूरु क्षेत्र में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए देवगौड़ा ने भी उन्हें अपना लिया। 1985 में मध्यावधि चुनाव हुए। सिद्धारमैया लगातार दूसरी बाद चामुंडेश्वरी से विधायक बने।

हेंगड़े की सरकार में बने मंत्री

हेगड़े ने राज्य की प्रशासनिक भाषा के रूप में कन्नड़ का इस्तेमाल करने के लिए बनाई गई कमेटी की अध्यक्षता सिद्धारमैया को सौंप दी। इससे सिद्धारमैया को राजनीतिक रूप से काफी फायदा मिला। साल 1985 के बाद हेगड़े ने सिद्धारमैया को अपने मंत्रालय में शामिल किया। हेगड़े सरकार में सिद्धारमैया ने पशुपालन और परिवहन जैसे मंत्रालयों को संभाला। साल 1989 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के सीनियर नेता एम राजशेखर मूर्ति से सिद्धारमैया चुनाव में हार गए। 1992 में वह जनता दल के महासचिव बने। 1994 के चुनाव में सिद्धारमैया चुनाव जीत गए और देवगौडा सरकार में वित्तमंत्री बने। साल 1996 में जब देवगौड़ा को प्रधानमंत्री बनाया गया तो सिद्धारमैया के सीएम बनने की संभावना जताई जाने लगी थी, लेकिन जनता दल के ही जेएच पटेल बाजी मार गए। हालांकि, सिद्धारमैया को डिप्टी सीएम बनाया गया। 1999 में जनता दल में टूट के बाद सिद्धारमैया ने देवगौड़ा का दामन थामा और जेडीएस से जुड़ गए। इस दौरान देवगौड़ा ने उन्हें कर्नाटक में जेडीएस का अध्यक्ष बना दिया। इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में सिद्धारमैया को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। 2005 में देवगौड़ा ने बेटे एचडी कुमारस्वामी को जेडीएस में आगे बढ़ाने के लिए सिद्धारमैया को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

कागज में स्मार्ट बन रहा लखनऊ !

सीवर व सफाई कागजी दावे हवाहवाई, जगह-जगह गंदगी के अंबार

» लोग बदबू से बेजार

» जगह-जगह चोक है नाली

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी लखनऊ कागजों पर स्मार्ट हो रही है पर हकीकत क्या है इसके लिए शहर उन इलाकों में जाकर देखा जाए जहां आज भी बुनियादी चीजें मयस्सर नहीं है। राजधानी लखनऊ में जगह-जगह सीवर चोक हैं गंदगी का चारों तरफ अम्बार लगा है कागजों पर हर दिन बड़े पैमाने पर साफ सफाई का अभियान चलाया जाता है सीवर सफाई व मेंटेनेंस के नाम पर लाखों का बंदरबांट किया जा रहा है जिसका नतीजा है कि राजधानी लखनऊ के कई इलाके सभी विषयों में बहते हुए सीवर व दुर्गंध से परेशान रहते हैं वहीं राजधानी के कई इलाके ऐसे हैं जहां पर सफाई व कड़ा नहीं उठाया जाता है ऐसी ही राजधानी के अलग-अलग तस्वीरों से आपको रूबरू कराएंगे।

आम जनता अगर समय पर जल कल वह हाउस टैक्स जमा ना करें तो विभाग घरों पर नोटिस चस्पा कर देता है यहां तक कि कह दिया जाता है कि अगर समय पर आपके द्वारा टैक्स का भुगतान नहीं किया गया तो कुर्की की कार्रवाई होगी जनता समय पर टैक्स जमा करती है बदले में जनता को सिर्फ मायूसी मिलती है। हर वार्ड में सैकड़ों की तादाद में सफाई कर्मचारी तैनात किए गए ताकि जनता को साफ-सुथरी सड़क स्वच्छ वातावरण मुहैया कराया जा सके लेकिन हकीकत इसके विपरीत नजर आती है। सीवर सफाई व मेंटेनेंस के लिए एक प्राइवेट कंपनी को जिम्मेदारी दी गई है बावजूद इसके राजधानी के हर वार्ड में सीवर की क्या स्थितियां हैं वह जगजाहिर है गर्मी हो बरसात हो या सर्दी का मौसम हर मौसम में सीवर उफान पर रहते हैं।

जोन 1 के नजरबाग वार्ड में सुपरवाइजर का नया कारनामा छोटे बच्चों से कराई जाती है सफाई

जोन-6 में गंदगी का अंबार

नगर निगम के जोन 6 में 15 सौ से अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती सरकारी रजिस्टर में दर्ज है उसके बावजूद जोन 6 में सफाई का आलम यह है कि जगह-जगह कूड़े का अंबार लगा हुआ है सीवर लीकेज है पानी सड़क पर बह रहा है बदबूदार पानी सड़क पर फैलने से सड़क से निकलने वाली जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है जनता बताती है कि सफाई कर्मचारी कभी कबार साफ सफाई करने आ जाते हैं अन्यथा सफाई होती ही नहीं है जिसका नतीजा है कि जगह-जगह कूड़ा जमा हो गया है कूड़ा जमा होने से कई बीमारियां फैलने की संभावनाएं बढ़ती जा रही है ऐसे में जनता का दर्द सुनने वाला कोई नजर नहीं आ रहा है जनता शिकायत करे तो करे कहां।

सफाई कर्मियों को दिए गये 7 हजार मोबाइल का कुछ पता नही

लखनऊ में तैनात रहे पूर्व नगर आयुक्त अजय द्विवेदी ने सफाई की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सफाई कर्मचारियों को 7000 मोबाइल फोन सिम के साथ वितरित किए थे आज वह मोबाइल फोन सिम कहां है किसके पास है मोबाइल का क्या हुआ इसकी जानकारी कोई देने को तैयार नहीं है आखिरकार 7000 मोबाइल फोन व सीम कार्ड खरीदने में लाखों रुपए की बर्बादी क्यों की गई जिन सफाई कर्मचारियों को मोबाइल फोन उपलब्ध कराया गया था उनसे मोबाइल फोन्स की जानकारी क्यों नहीं ली जा रही है यह एक बड़ा भ्रष्टाचार नगर निगम में पनप रहा है। 7000 मोबाइल फोन की विस्तृत जांच कराने की आवश्यकता है जो कि जनता के टैक्स से दिए गए पैसे से इन मोबाइल फोंस को खरीदा गया था ऐसे में नगर निगम की 7000 मोबाइल फोन की संपत्तियों का क्या हुआ जनता भी जानना चाहती है।

नहीं देते सफाई कर्मियों की सूची

राजधानी जैसे बड़े शहर की सफाई की जिम्मेदारी संभालने वाले डॉक्टर सुनील कुमार रावत से जब कार्यदायी संस्थाओं में कार्यरत कर्मियों की सूची मांगी जाती है तो गोल मोल जवाब देकर सूची उपलब्ध नही कराई जाती है। ऐसे में सवाल ये उठता है जिन सफाई कर्मियों के नाम पर भुगतान किया जा रहा है क्या वाकई में वह सफाई कर्मी काम करता है या सिर्फ लिस्ट में नाम दिखाकर भुगतान कराया जा रहा है।

ऐसे कैसे बनेगी राजधानी सुंदर

नगर निगम व जलकल विभाग मिलकर जनता की समस्याओं का निजात करने में विफल साबित होते नजर आ रहे है। आज हम आपको राजधानी के शीतला देवी भवानी गंज हैदरगंज प्रथम द्वितीय तृतीय सआदतगंज दौलतगंज बालागंज कन्हैया माधवपुर प्रथम द्वितीय मातादीन रोड की वास्तविक स्थिति ऐसी है कि गालियां चोक है पानी स?क पर बह रहा है जनता की शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नही हो पा रही है। स्थानीय निवासी बताते है कि डीएल लॉन से बालागंज तक पानी निकासी के लिए नाला वर्षों पूर्व बनाया गया था। जनता को लगा था अब समस्या का निदान हो जाएगा लेकिन नगर निगम की उदासीनता का नतीजा यह है कि पूरा नाला चोक हो गया है जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में कैसे स्मार्टसिटी की कल्पना की जा सकती है।

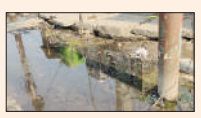

मेंटिनेंस के नाम पर कर रहा खानापूर्ति

जीएम जलकल राम कैलाश से कई बार राजधानी के अलग-अलग जोनों की सीवर सफाई व मेंटिनेंस के लिए शिकायत की जाती है शिकायत का संज्ञान लिया जाता है शिकायत स्थल पर कुछ कर्मियों को भेज कर खानापूर्ति करवा दी जाती है। जिसका आलम यह कि कुछ दिन बाद फिर उसी जगह पर पानी लीकेज व सीवर लीकेज की समस्या उभर आती है। ऐसे में जनता के टैक्स का दुरुपयोग कर कुछ जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी व प्राइवेट कंपनी अपनी जेबे भरने का काम कर रहे है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

रोजगार पर रखी जाए नजर

भारत सरकार ने आईटी सेक्टर की कायपलट के लिए कई योजनाओं को ऐलान किया है। सरकार का मानता है इससे रोजगार का सृजन होगा। सरकार का यह प्रयास सराहनीय है परंतु योजना कारगर साबित हो इसकी भी मानीटीरिंग करने की जरूरत है। यूनियन कैबिनेट ने सरकार की 17,000 करोड़ रुपये की पीएलआई स्कीम 2 को अपनी मंजूरी दे दी है। सरकार का यह प्लान आईटी सेक्टर के लिए एक बड़ा प्लान माना जा रहा है। सरकार की पीएलआई स्कीम की मदद से आईटी हार्डवेयर की लोकल मैन्युफैक्करिंग को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल, आईटी हार्डवेयर सेक्टर के लिए पीएलआई 2.0 स्कीम को 6 साल की मंजूरी मिली है। इस स्कीम पर मुहर लगने के साथ ही आईटी हार्डवेयर सेक्टर में लगभग 3.35 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही लगभग 2430 करोड़ रुपये के निवेश की संभावनाएं पैदा होंगी। सरकार की इस स्कीम के साथ ही देश में रोजगार के नए अवसर भी होंगे। आईटी हार्डवेयर के लॉकल ब्रांड्स को मजबूत करने के साथ इस स्कीम से सीधे तौर पर 75 हजार नए रोजगार के मौके होंगे। वहीं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सरकार की यह स्कीम दो लाख से भी ज्यादा नौकरियों को लाने का काम करेगी।

भारत साल 2023 में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में 105 बिलियन अमरीकी डालर (लगभग 9 लाख करोड़ रुपये) के बेंचमार्क को पार कर चुका है। भारत की पहचान दूसरे सबसे बड़े मोबाइल फोन निर्माता के रूप में होती है। 2022 तक भारत में सूचना प्रौद्योगिकी का सकल घरेलू उत्पाद में 8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2022 में आईटी और बीपीएम उद्योग का राजस्व 227 बिलियन अमेरिकी डॉलर था जो सालाना 15.5 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2022 में आईटी उद्योग का घरेलू राजस्व 49 बिलियन अमेरिकी डॉलर और निर्यात राजस्व 178 बिलियन अमेरिकी डॉलर हुआ था। आईटी उद्योग ने वित्त वर्ष 2022 में लगभग 5 लाख कर्मचारियों को रोजगार दिया है। इसमें लगभग 50 लाख लोग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से काम कर रहे हैं जिससे यह सर्वाधिक रोजगार प्रदान करने वाले क्षेत्रों में से एक बन गया है। दिसंबर 2022 में, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सूचित किया कि राज्य द्वारा संचालित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों के साथ पंजीकृत आईटी इकाइयों ने 2021-22 में 11.59 लाख करोड़ रु. मूल्य के सॉफ्टवेयर का निर्यात किया है। भारत की वर्तमान तरक्की में आईटी का बहुत बड़ा योगदान है।

“ सरकार की पीएलआई स्कीम की मदद से आईटी हार्डवेयर की लोकल मैन्युफैक्करिंग को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल, आईटी हार्डवेयर सेक्टर के लिए पीएलआई 2.0 स्कीम को 6 साल की मंजूरी मिली है। इस स्कीम पर मुहर लगने के साथ ही आईटी हार्डवेयर सेक्टर में लगभग 3.35 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही लगभग 2430 करोड़ रुपये के निवेश की संभावनाएं पैदा होंगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बेलगाम मुनाफाखोरी से हलकान किसान

देविंदर शर्मा

एक रोज टेलीविजन चर्चा पर मैंने कहा कि किसान के प्याज की जो कीमत थोक मंडी में लगती है (2-3 रुपये प्रति किलो) और जिस दाम पर उपभोक्ता खरीदता है (जगह के हिसाब से 20-30 रुपये प्रति किलो), कीमतों में इतना बड़ा अंतर हैरान-परेशान करता है। अन्य शब्दों में कहें तो थोक और खुदरा मंडी के बीच भाव में अंतर लगभग 900 प्रतिशत है! फरवरी माह में, जब पंजाब में स्थानीय सब्जी विक्रेता गोभी 20 रुपये प्रति किलो बेच रहे थे, ठीक उसी समय थोक मंडी में किसान की गोभी की कीमत 2-3 रुपये प्रति किलों से ज्यादा नहीं लगी। पुन: यहां भी मुनाफा कोई 900 प्रतिशत रहा। समाचारों के अनुसार उसी महीने में, कृषक के आलू का भाव थोक मंडी में 4-6 रुपये प्रति किलो लगा जबकि बाजार में 20 रुपये प्रति किलो बिक रहा था। जाहिर है यह व्यापार अत्यधिक मुनाफे वाला है।

कुछ सप्ताह पहले, एक ओर स्थानीय बाजार में ग्राहक 1 किलो शिमला मिर्च 30 रुपये में खरीद रहा था तो दूसरी ओर सही दाम न लगने से त्रस्त होकर किसान अपनी शिमला मिर्च रोष-स्वरूप सड़कों पर फेंक रहा था। थोकमंडी में शिमला मिर्च की 17 किलो की बोरी का महज भाव 15 रुपये लगा और व्यापारी इससे ज्यादा देने को राजी न था। परंतु बाजार भाव जस के तस था, नतीजतन बिचौलिए व्यापारी 2900 प्रतिशत मुनाफा कूट गए! न केवल बहुतायत में प्रयोग होने वाले टमाटर, प्याज और आलू के मामले में बल्कि लहसुन, अदरक, फूल गोभी, बंद गोभी, गाजर, भिंडी, बैंगन, शिमला मिर्च और सलाद पत्तों की कहानी भी यही है। शायद ही कभी देखा गया कि उत्पादक और उपभोक्ता छोर की कीमतें आसपास रहीं। कई सालों से मैं इस धंधे का लेखा-जोखा रख रहा हूं और मेरा आकलन न सिर्फ उस वक्त का है जब कृषि उत्पाद के दाम कौड़ियों के भाव लगे बल्कि सामान्य दिनों में भी बिचौलिया-मुनाफा चरम पर है। जिसे हम खाद्य-मुद्रास्फीति के पैमाने से नापते हैं और आम धारणा है कि यह किसानों को ज्यादा दाम चुकाने से बनी है, वास्तव में यह विक्रेता के मुनाफे से चालित है।

जो कीमत उपभोक्ता चुकाता है उसमें खुदरा व्यापारियों का छिपा और दोहनकारी मुनाफा भी शामिल है। आखिरकार किसी भी व्यापार में 900 प्रतिशत, कुछेक मामलों में तो 2900 प्रतिशत तक, मुनाफे को कैसे न्यायोचित कहें। जब भी किसानों द्वारा

उत्पाद सड़कों पर फेंकने की खबरें आती हैं, तब सोशल मीडिया पर विभिन्न नामों के तहत चल रहे हैंडल्स का एक बडा जत्था प्रचार करता है इसके भी जिम्मेवार खुद किसान हैं। जो दलीलें वे देते हैं वे कृषि उत्पाद के धंधेबाजों के दावों से अलग नहीं हैं, जब कहा जाता है कि यदि किसानों ने सरकार को तीन कृषि कानून वापिस लेने को मजबूर न किया होता तो उन्हें उपज के दाम बेहतर मिल जाते। कुछ तो यहां तक कहते हैं कि निरस्त हुए कृषि कानून कृषि को मुनाफादायक बना देते! इसी किस्म के तर्क संगठित खुदरा आपूर्ति श्रृंखला के प्रवेश के समय दिए गए थे। जब कहा गया कि संगठित खुदरा व्यापार प्रणाली से बिचौलिए खत्म हो जाएंगे, जिससे न केवल किसान को उपज की बेहतर कीमत मिलेगी बल्कि उपभोक्ता को भी अपेक्षाकृत कम दामों पर वस्तुएं मुहैया होंगी, लिहाजा दोनों छोर पर दोहन पर रोक लगेगी। लेकिन यह हुआ नहीं। उदाहरणार्थ, जब थोक मंडी में किसान के प्याज, लहसुन या शिमला मिर्च का दाम कौड़ियों के भाव लगता है तो मैंने कभी नहीं पाया कि सुपरमार्किट के स्टोरों पर खुदरा दाम उसी अनुपात में घटे हों। यदि आपने कभी देखा हो कृपया बताएं मैं अपना कहा सुधार लूंगा। मुझे यह भी मालूम है तब वस्तुविशेष की गुणवत्ता का वास्ता दिया जाएगा, लेकिन यह अकेला कारक खरीदार से कई सौ गुणा ज्यादा दाम वसूलने की वजह नहीं हो सकता। सेब का उदाहरण लें तो, हिमाचल प्रदेश में बागवान से सेब की क्रय कीमत औसतन 60 रुपये प्रति किलो रही। पहले तो खरीदार बड़ी कंपनियों ने जिस भाव पर सेब उठाया जा रहा था, उसमें बिना स्पष्ट वजह 16 रुपये प्रति किलो की कटौती कर दी, फिर उस सेब को स्टोर में रखकर, पैकिंग के बाद सुपरमार्किट में 199 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचा अर्थात् लगभग 230 प्रतिशत मुनाफा।

फल की रेहड़ियों वाले भी सेब 150 रुपये प्रति किलो तक बेचते रहे। गौरतलब है यहां कंपनियों का कमीशन मार्जिन नीचे नहीं आया, जबकि सदा यह दावा रहा कि उनके आने से आपूर्ति श्रृंखला में अनेक स्तरों पर बिचौलिए खत्म होंगे और उपभोक्ता छोर की कीमतें नीचे आएंगी। यह खाद्य मुद्रास्फीति रिवायती तौर पर मुनाफाखोरों का डंक लगने से बनती है और इसे 'मुनाफास्फीति' कहना ज्यादा सही होगा।

प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली ही समाधान

ज्ञानेन्द्र रावत

मानवीय स्वार्थ और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के परिणाम स्वरूप पर्यावरण और प्रकृति को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपायी होना मुश्किल है। मौसम में आ रहे अप्रत्याशित बदलाव के चलते मनुष्य को अब उसके चंगुल से निकलना मुश्किल हो रहा है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान ने इसमें प्रमुख भूमिका निभाई है। बदलते मौसम की मार से प्रकृति के साथ-साथ हमारा रहन-सहन, भोजन, स्वास्थ्य और कृषि भी प्रभावित हुई है। कृषि उत्पादन में आ रही कमी, सूखा और भूमि के बंजर होने की गति में हो रही बढ़ोतरी इसका सबूत है। वैज्ञानिक शोध और अध्ययनों ने इस तथ्य को प्रमाणित भी कर दिया है। मौसमी बदलाव का असर खेतों में खड़ी फसलों के बर्बाद होने के रूप में सामने आ रहा है। तापमान के असंतुलन के चलते मनुष्य संक्रमण की चपेट में है। नतीजतन शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। बाढ़, चक्रवाती तूफान आदि आपदाओं में बढ़ोतरी उसी का नतीजा है।

तापमान में बढ़ोतरी के कारण ग्लेशियर पर पर्याप्त मात्रा में बर्फ नहीं जम पाती। नतीजतन जल संकट गहरा जाता है क्योंकि जल सुरक्षा के लिहाज से ग्लेशियरों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। जाहिर-सी बात है कि इन्हीं ग्लेशियरों की बदौलत ही गंगा, यमुना, सिंधु जैसी हिमालयी नदियों के साथ-साथ हजारों झरनों और छोटी नदियों को भरपूर मात्रा में पानी मिल पाता है, जिससे बहुत बड़ी तादाद में सिंचाई सुविधा और पीने के पानी की जरूरतें पूरी होती हैं। ऑस्ट्रेलिया में कॉमनवेल्थ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च आर्गेनाइजेशन द्वारा किये शोध में यह खुलासा हुआ है कि एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट बैक्टीरिया के संक्रमण से हमारी सेहत पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। बढ़ते तापमान के कारण संक्रमण बढ़ने और बैक्टीरिया में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस पैदा होने के पीछे जलवायु परिवर्तन के कारण आयी बाढ़ के चलते स्वच्छता सम्बन्धी समस्याएं हैं।

इससे एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसमें सीवेज की अहम भूमिका है जो एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट बैक्टीरिया का अहम स्रोत है। बढ़ती आबादी, बाढ़, सूखा जैसी प्राकृतिक आपदा और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में सीवेज ओवर फ्लो के बढ़ते मामले इसमें प्रमुख योगदान देते हैं। इससे बैक्टीरिया में म्यूटेशन बढ़ता है। यह सब अस्वच्छता के कारण होता है। पर्यावरण में बढ़ता प्रदूषण और प्रदूषित कण इस एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट जीन को बढ़ाने और बैक्टीरिया में म्यूटेशन वृद्धि में अपनी सक्रियता से दवाओं के असर कम करने में कारक बनते हैं। शोध इस बात के सबूत हैं कि मनुष्यों में संक्रामक रोगों में 58 फीसदी मामलों के तेजी से फैलने में जलवायु परिवर्तन अहम कारण है। जीव विज्ञानियों की मानें तो मौजूदा दौर में मनुष्यों को संक्रमित करने में सक्षम कम से कम 10,000 वायरस प्रजातियां जंगली स्तनधारियों में पायी जाती हैं। ऐसे में जंगलों के अंधाधुंध कटान, गर्म जलवायु, तेजी से बढ़ती आबादी के कारण मानव का ऐसे जंगली स्तनधारियों से सामना बढ़ेगा, जो जूनोटिक स्पिल ओवर यानी जंगली स्तनधारियों से मानव में वायरस का संचरण बढ़ायेगा। निपाह वायरस का इंसानों में फैलना इसका प्रमाण है।

अमेरिका की प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी के जलवायु परिवर्तन विभाग के वैज्ञानिकों के शोधों से खुलासा हुआ है कि जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवात की घटनाओं में बढ़ोतरी की आशंका है। यह भी कि समुद्र के बढ़ते जलस्तर और जलवायु परिवर्तन के कारण अगले दशकों में तटीय इलाकों में भीषण चक्रवात और तूफान की घटनाओं के बीच में समय अंतराल काफी कम हो जायेगा। बीते दशकों के इतिहास को देखें तो 70 फीसदी से अधिक मामलों में बाढ़ का प्रमुख कारण नदियां ही रही हैं। वास्तव में जमीन की तरह ही वाष्पकणों के जमने से वायुमंडल में ऊपर बादलों में जलधाराएं बन जाती हैं। इन्हें वायुमंडलीय नदी कहते हैं। इसके पीछे भी जलवायु परिवर्तन ही अहम कारण है। कारण यह कि औसत तापमान वृद्धि से वाष्प को जमने में समय काफी लग रहा है। इसके कारण बादलों में पहले की तुलना में ज्यादा वाष्प इकट्ठा होने लगे हैं। नतीजतन पहले की तुलना में वायुमंडलीय नदियों में जलधारा क्षमता काफी बढ़ गयी है। इसका नतीजा पानी का दबाव बहुत बढ़ जाने से बादल फटने और बाढ़ की घटनाओं के रूप में सामने आता है।

सबसे बड़ी चिंता कृषि क्षेत्र में दिनोदिन घटती उत्पादकता की है। देश में तकरीबन 12 करोड़ हेक्टेयर जमीन ऐसी है जो किसी न किसी तरह की डिग्रेडेशन की शिकार है। तापमान में बढ़ोतरी के चलते फसल जल्दी पकती है लेकिन उत्पादन कम होता है। मौसम में बदलाव से खेती की लागत भी ब? रही है। जानवरों के चारे की समस्या भी तेजी से बढ़ती जा रही है। आगामी सालों में गेहूं की उत्पादकता 22 फीसदी और धान की 15 फीसदी तक कम हो सकती है। मौसम के बदलाव का यदि यही हाल रहा और खेती में आमदनी इसी तरह कम होती रही तो गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ेगा। समय की मांग है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर तत्काल लगाम लगे। वर्तमान मौसम के लिहाज से अपनी जीवनशैली को व्यवस्थित करें, जल की बर्बादी पर अंकुश के साथ-साथ वर्षा जल के संचय और संरक्षण पर विशेष ध्यान दें। तभी इस समस्या के समाधान में कामयाबी की आशा की जा सकती है।

गर्मियों में राहत पहुंचाती हैं मप्र की पहाड़ियां

घूमने के लिए ये हैं परफेक्ट जगह

लगातार बढ़ते पारे से लोगों को परेशान कर दिया है। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी से परेशान लोग अब इस मौसम से कुछ राहत पाने के लिए वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं। इस मौसम में ज्यादातर लोग ऐसी जगह जाना पसंद करते हैं, जहां उन्हें धूप और गर्मी से दूर कुछ सुकून के पल बिताने के मिले। ऐसे में अगर आप भी जल्द ही किसी वेकेशन की प्लानिंग बना रहे हैं, तो आप मध्य प्रदेश के कुछ ऐसे हिल स्टेशनों पर बढ़िया वेकेशन बिता सकते हैं।

तामिया हिल स्टेशन

अगर आप मध्य प्रदेश में हैं, तो यहां मौजूद तामिया हिल्स जरूर जाएं। जंगलों और खूबसूरत वादियों से घिरा यह स्थान गर्मी से राहत पहुंचाने के साथ ही अपने खूबसूरत नजारों से आपका मन मोह लेगा। आप यहां पहुंचकर दर्शनीय स्थलों जैसे पातालकोट वैली, ट्राइबल म्यूजियम और सनसेट म्यूजियम का आनंद भी उठा सकते हैं।

पचमढ़ी

मध्य प्रदेश में यूं तो कई सारे टूरिस्ट प्लेस मशहूर हैं, लेकिन पचमढ़ी हमेशा से ही लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा है। यहां हर साल भारी संख्या में लोग घूमने आते हैं। यह जगह एमपी के सबसे चर्चित हिल स्टेशन में से एक है। ऊंची पहाड़ियों में बसे इस शहर में आप खूबसूरत झरनों, जंगल और गुफाओं का दीदार कर सकते हैं। साथ ही यहां पास में मौजूद महादेव हिल्स, सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान और प्रियदर्शनी प्वाइंट जैसी जगहों पर भी घूमने जा सकते हैं।

ओंकारेश्वर

मध्य प्रदेश स्थित ओंकारेश्वर यूं तो धार्मिक वजह से काफी फेमस है, लेकिन यहां आप कई खूबसूरत नजारों का भी दीदार कर सकते हैं। यह जगह 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक ओंकारेश्वर मंदिर के लिए जानी जाती है। ऐसे में अगर आप प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही मंदिरों के दर्शन करते हुए अपनी छुट्टियां बिताना चाहते हैं, तो ओंकारेश्वर एक बढ़िया विकल्प साबित होगा।

शिवपुरी हिल स्टेशन

प्रदेश के मशहूर हिल स्टेशन में से एक शिवपुरी हिल स्टेशन भी गर्मियों में घूमने के लिए परफेक्ट जगह है। बेहद शांत इस जगह पर आप कई खूबसूरत झीलों को देख सकते हैं। जाधव सागर झील, चांदपाठा और अन्य यहां की मशहूर झीलों में से एक हैं। यहां आपको चारों तरफ हरियाली देखने को मिलेगी, जो आपका दिल खुश कर देगी। इसके अलावा आप यहां माधव नेशनल पार्क, बाणगंगा मंदिर और नाव की सवारी का भी आनंद ले सकते हैं।

मांडू हिल स्टेशन

मांडू भी मध्य प्रदेश के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक है। आप यहां हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता का लुत्फ उठाने के साथ ही कई सारे महलों का दीदार भी कर सकते हैं। इतिहास प्रेमियों के लिए यह जगह बिल्कुल परफेक्ट साबित होगी। आप यहां जहाज महल, रानी रूपवती महल,हिंडोला महल आदि देख सकते हैं।

हंसना मना है

बैंक मैनेजर- कैश खत्म हो गया है कल आना। संता- लेकिन मुझे मेरे पैसे अभी चाहिए। मैनेजर- देखिए आप गुस्सा मत करिए, शांति से बात कीजिए। संता- ठीक है बुलाओ शांति को, आज तो मैं उसी से बात करूंगा।

पति- क्या देख रही हो? पत्नी- कुकिंग शो। पति- दिन भर कुकिंग शो देखा करती हो, खाना बनाना तो फिर भी नहीं आया तुम्हें। पत्नी- आप भी तो कौन बनेगा करोड़पति देखते रहते हैं, तो कौन सा करोड़पति बन गए।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

कहानी — मूर्ख साधू और ठग

एक बार की बात है किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधू को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आप अपना काम समय से पूरा कर लेंगे। दूसरे लोगों से आपको मदद मिलती रहेगी। आज आप हर किसी की बात को सुनने की कोशिश करेंगे।

वृषभ — किसी पुरानी बात को लेकर सहयोगियों से बहस हो सकती है। अत- सावधानी से काम लेकर विवादों को टालें। निजी जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं।

मिथुन — आज कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे, जिससे घर का माहौल खुशियों से भरा रहेगा। आपको संचार-साधनों से फायदा हो सकता है।

कर्क — व्यावसायिक संदर्भ में नए व्यापार संबंधों और सौदों को अंतिम रूप देने के लिए के लिए यह एक अनुकूल अवधि है। प्रेम संबंधों के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे।

सिंह — आज कुछ नया सीखने का मौका मिलेगा। घर पर किसी मित्र के आने से आपको खुशी होगी। अपनी खुशी बरकरार रखने के लिये आज आपको विवादों से दूर रहना चाहिए।

कन्या — व्यावसायिक एवं व्यापारिक संदर्भ में आज आपके लिए नए संपर्क बनाने का एक अनुकूल समय है। पूर्व के चले आ रहे प्रेम-संबंध और परिपक्व हो सकते हैं।

तुला — आज आप परिवार की जिम्मेदारी को पूरा करेंगे। परिवार के लोग आपसे खुश होंगे। ऑफिस का कोई खास काम आज रुक सकता है । आपको मेहनत करने की जरूरत है।

वृश्चिक — वित्तीय परिणाम उम्मीद से कम हो सकते हैं और आपको इससे निपटना होगा। सोच-समझकर निवेश करना चाहिए। पारिवारिक परिवेश आनंददायक रहेगा।

धनु — आज आपको अचानक से धन लाभ होगा। संतान पक्ष से आपको कोई खुशखबरी मिलेगी। पैसों के मामले में उन्नति के नये रास्ते खुलेंगे। आज आप कोई नई चीज सीखेंगे।

मकर — छात्रों को परीक्षा में सफलता पाने के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। व्यावसायिक परियोजनाओं को मूर्त रूप प्रदान करने में सामान्य से अधिक समय लगाना पड़ सकता है।

कुम्भ — आज पहले किए गए किसी काम से आपको फायदा होगा। कोई पुराना मित्र अचानक आपसे मिल सकता है। आज किस्मत का साथ बना रहेगा।

मीन — आज आपको विभिन्न स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इस समय शांत और सकारात्मक रहना महत्वपूर्ण है। टकराव से बचें।

बॉलीवुड | मन की बात

नए कलाकार के लिए इंडस्ट्री में जगह बनाना आसान नहीं : दिव्या

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने बॉलीवुड में चल रहे नेपोटिज्म के बारे में बात करते हुए कहा कि अब उभरते हुए नए कलाकारों के लिए इंडस्ट्री में पैर जमाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। अभिनेत्री ने कहा कि यहां बहुत मुश्किल, क्योंकि यह एक ग्लैमर की दुनिया है। हर कोई इसे देखता है, हर कोई अपनी छवि बनाता है। हम सभी ने इसका सामना किया। यहां तक कि मैंने भी इसका सामना किया। मुझे लगता है कि आखिरकार वही होता है, जो सच में रहता है। दिव्या दत्ता ने कहा कि कई बार एक छोटी सी फिल्म भी बिना मार्केटिंग के चल जाती है और एक छोटा अभिनेता भी अपनी जगह बना लेता है। जब मैं इंडस्ट्री में आई तो हर कोई मुझे एक अच्छी एक्ट्रेस कहते थे और अब वे कहते हैं कि मैं एक स्टार एक्ट्रेस हूं। ये चीजें अपने आप हो गईं, लेकिन मुझे वास्तव में जो लगता है, वह यह है कि लोगों का प्यार बहुत अच्छी कमाई है। स्टारडम आता है और चला जाता है, लेकिन मेरे लिए क्या मायने रखता है, जब दर्शक कहते हैं कि आप हमारी हो, हमारी जैसी दिखती हो और मुझे वास्तव में यह पसंद है। इंडस्ट्री में चल रहे भाई-भतीजावाद पर बात करते हुए दिव्या दत्ता ने कहा कि जब दर्शक मुझ पर भरोसा करते हैं कि मैं अच्छी फिल्में ही करूंगी तो यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर कोई भाई-भतीजावाद का सामना करता है और यहां तक कि चीजें भी उनके लिए आसान नहीं होती हैं। अभिनेत्री ने अपनी आने वाली परियोजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उनके पास तीन वेब शोज और चार फीचर हैं, जिनके लिए वह एक बच्चे की तरह बहुत उत्साहित हैं और खुश हैं।

कार्तिक-कियारा की फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' का शानदार टीजर आउट

सिद्धार्थ मल्होत्रा से शादी के बाद कियारा आडवाणी 'सत्यप्रेम की कथा' से सिल्वर स्क्रीन पर कमबैक कर रही हैं। इस म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म में कियारा एक बार फिर भूलभुलैया को-स्टार कार्तिक आर्यन के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इस फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार हैं। वहीं फाइनली आज 'सत्य प्रेम की कथा' का शानदार टीजर जारी कर दिया है।

'सत्यप्रेम की कथा' का टीजर आउट

'सत्यप्रेम की कथा' का टीजर कियारा आडवाणी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। टीजर बेहद ही खूबसूरत और फेश वाइब्स लिए हुए नजर आ रहा है। इसकी शुरुआत कार्तिक आर्यन के बैकग्राउंड डायलॉग से होती है। कार्तिक कहते सुने जाते हैं, बाते जो कभी पूरी ना हों, वादे जो अधूरे हों, हंसी जो कभी कम ना हो। आंखें जो कभी नम ना हो और अगर हो तो बस इतना जरूर हो आंसू उसके पर आंखे मेरी नम हो। इसके बाद कार्तिक और कियारा की खूबसूरत रोमांटिक कैमिस्ट्री स्क्रीन पर नजर आती है। फिल्म का टीजर बेहद शानदार लग रहा है।

टीजर के रिलीज होते ही फैंस इसे बेहद पसंद कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा है, कियारा और कार्तिक की वंडरफुल पेयरिंग। वहीं एक और ने लिखा है, 2023 की एक और ब्लॉकबस्टर मूवी, Ki यू आर किलिंग। एक अन्य ने लिखा, इस लव स्टोरी मूवी के लिए बेहद एक्साइटेड कब रिलीज होगी 'सत्यप्रेम की कथा' टीजर रिलीज होने के बाद अब कियारा और कार्तिक की अपकमिंग फिल्म सत्यप्रेम की कथा को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं। ये फिल्म इसी साल 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म को लेकर मेकर्स और स्टार्स को काफी उम्मीदे हैं। देखने वाली बात होगी कि क्या भूल-भुलैया 2 की हिट जोड़ी कियारा और कार्तिक इस फिल्म से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा पाते हैं।

तलाक के बाद फिर से शुरू हुई सामंथा प्रभु की लव स्टोरी

सामंथा रुथ प्रभु पिछले साल नागा चैतन्य से तलाक के बाद अपने काम पर ही पूरा ध्यान दे रही हैं। सामंथा एक के बाद एक लगातार कई फिल्मों के साइन कर रही हैं। फिलहाल एक्ट्रेस वेब सीरीज सिटाडेल के भारतीय संस्करण की तैयारियों में काफी व्यस्त चल रही हैं। इसी दौरान उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

सामंथा ने इस फोटो को शेयर करते हुए अपनी लव स्टोरी का भी जिक्र किया है। हालांकि, यहां वह किसी शख्स के साथ नहीं, बल्कि अपने काम से प्यार की बात कर रही हैं। इस फोटो में सामंथा सिटाडेल के सेट पर अपना शॉट को चेक कर रही है। हालांकि, यहां उनका चेहरा नहीं दिख रहा, सिर्फ उनके टोन्ड बाइसेप्स ही नजर आ रहे है।इस फोटो को शेयर करते हुए सामंथा ने कैप्शन में लिखा, एक्शन के साथ मेरी प्रेम कहानी। अब एक्ट्रेस की ये फोटो भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सिटाडेल में सामंथा का एक अलग अंदाज पर्दे पर देखने को मिलेगा।

इन फिल्मों में दिखेंगी सामंथा

गौरतलब है कि राज एंड डीके के निर्देशन में रही सिटाडेल में सामंथा को वरुण धवन के साथ देखा जाने वाला है। ये सीरीज प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन की इसी टाइटल से बनी सीरीज का स्पिन-ऑफ है। इसके अलावा सामंथा को विजय देवरकोंडा के साथ कुशी और चेन्नई स्टोरी टाइटल से बन रही फिल्मों में भी देखा जाने वाला है।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | सड़कें सिर्फ नमक को ट्रांसपोर्ट करने के लिए बनाई जाती थीं

कभी मुद्रा की तरह इस्तेमाल होता था नमक

अगर आप भारतीय हैं तो आपको नमक की अहमियत के बारे में पता ही होगा। महात्मा गांधी ने नमक के लिए ही डांडी मार्च निकाला था और अंग्रेजों से भिड़ गए थे। एक वक्त ऐसा था जब दुनिया के तमाम देशों की अर्थव्यवस्था नमक पर ही टिकी रहती थी। आपको जानकर हैरानी होगी कि इसे मुद्रा की तरह प्रयोग किया जाता था। आज हम आपको नमक से जुड़े कुछ ऐसे फैक्ट्स बताने जा रहे हैं जो आपको चौंका देंगे।

हाउ स्टफ वर्क वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार नमक का काम खाद्य संरक्षण के लिए किया जाता था। इस वजह से नमक काफी कीमती वस्तु हुआ करती थी। प्राचीन रोम में नमक को मुद्रा की तरह प्रयोग किया जाता था। कोई लेन-देन करना हो या अन्य कोई काम हो तो नमक का प्रयोग रुपये की तरह करते थे। यही नहीं, लोगों की सैलेरी भी नमक के रूप में ही दी जाती थी। अंग्रेजी का शब्द सोल्जर और सैलेरी भी सॉल्ट से ही बने हैं।

मध्यकाल में खास सड़कें सिर्फ नमक को ट्रांसपोर्ट करने के लिए बनाई जाती थीं। इनमें से सबसे प्रसिद्ध रोड उत्तरी जर्मनी की ओल्ड सॉल्ट रूट है जो सॉल्ट माइन्स से शिपिंग पोर्ट तक जाया करती थी। आयरन एज में ब्रिटिश, समुद्र के पानी को उबालकर उसमें से नमक निकाला करते थे। जब अंग्रेजों ने अपनी कॉलोनियां बनाई, तब उन्होंने नमक पर टैक्स लगा दिया जिसका विद्रोह अफ्रीका से लेकर चीन तक हुआ। भारत में भी ये विद्रोह हुआ जिसे हम डांडी मार्च के नाम से जानते हैं।

ये तो आर्थिक और राजनीतिक महत्व की बात हो गई। नमक का महत्व धार्मिक रूप से भी देखने को मिलता है। जापान की शिंटॉइज्म मान्यता में माना जाता है कि नमक से चीजें पवित्र हो जाती हैं जबकि बौद्ध धर्म को मानने वाले लोग बुरी नजर को दूर करने के लिए नमक का प्रयोग किया करते थे। जूडियो-क्रिश्चियन मान्यता में नमक से लोगों और वस्तुओं को पवित्र किया जाता था। इसके अलावा बाइबल में भी नमक का काफी जिक्र मिलता है। नमक को लेकर काफी अंग्रेजी कहावतें भी हैं। अंग्रेजी में कहा जाता है- "not worth his salt" (किसी के नमक के बराबर नहीं होना) इसका अर्थ ये होता है कि कोई इतना महत्वपूर्ण नहीं है। पुराने समय में नमक देकर दास यानी नौकर खरीदे जाते थे, बस तभी से ये मुहावरे का चलन है।

पानी में तैरने वाली बर्फ, शराब में गिरते ही डूब क्यों जाती है?

गर्मी के इस भीषण मौसम में आप जब कभी बाहर से घर आते होंगे तो सबसे पहले आपको ठंडा पानी पीने की तलब लगती होगी। ऐसे में आप फ्रिज से या तो पानी को बोतल निकालते होंगे या फिर फ्रीजर से बर्फ निकालकर अपने ग्लास में डाल लेते हैं। ऊपर तैरती हुई बर्फ को देखकर आपको बड़ा ही सुकून और ताजगी का एहसास होता होगा। ऐसा ही सुकून शायद शराब पीने वालों को भी होता होगा जब वो ड्रिंक में बर्फ डालकर उसे नीचे डूबते हुए देखते होंगे या फिर बर्फ को पहले डालकर उसके ऊपर शराब डाल देते होंगे। इन सारी बातों के बीच क्या आपने एक चीज गौर की? वो ये कि बर्फ पानी में तो तैरती है पर शराब में डूब जाती है! बेशक आपने बर्फ के इस पहलु को कई बार देखा होगा, मगर आपने शायद ये जानने की कोशिश नहीं की होगी कि आखिर ऐसा होता क्यों है! आज हम इस सवाल का जवाब दे रहे हैं। ये सब विज्ञान की वजह से मुमकिन है। जवाब देने से पहले आपको घनत्व के बारे में समझना होगा। द विज्ञान वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, किसी पदार्थ के इकाई आयतन में निहित द्रव्यमान को उस पदार्थ का घनत्व कहते हैं। आसान शब्दों में कहें तो घनत्व किसी पदार्थ के घनेपन का माप है। घनेपन से हमारा अर्थ है कि कोई भी पदार्थ कितनी मजबूती से अपने परमाणुओं से जुड़ा हुआ है। इसकी इकाई किग्रा प्रति घन मीटर होती है। महान वैज्ञानिक आर्कमडीज ने इसकी खोज की थी। आप सोच रहे होंगे कि हम आपको बर्फ के तैरने और डूबने का जवाब देते-देते घनत्व के बारे में क्यों बताने लगे। असल में बर्फ के तैरने और डूबने का पूरा खेल घनत्व पर ही निर्भर करता है, वो ऐसे कि अगर द्रव का घनत्व पदार्थ से ज्यादा होगा तो वो पदार्थ उसमें डूब जाएगा। पानी की डेंसिटी 1.0 प्रति घन सेंटीमीटर होती है और बर्फ की 0.917 प्रति घन सेंटीमीटर होती है। यही कारण है कि पानी से कम घनत्व होने की वजह से बर्फ का टुकड़ा पानी में तैरता है। वहीं दूसरी तरफ शराब का घनत्व 0.789 प्रति घन सेंटीमीटर होता है जो बर्फ के घनत्व से कम है, इसलिए बर्फ इसमें डूब जाती है।

आईएएस टीना डाबी पर कार्रवाई कर सकती है गहलोत सरकार

पाकिस्तान से आए हिंदुओं के अशियाने उजाड़ने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिले से करीब चार किलोमीटर दूर अमर सागर क्षेत्र में रह रहे पाकिस्तान से आए हिंदुओ के मकानों को कलेक्टर टीना डाबी के आदेश के बाद जमींदोज कर दिया गया। अब इस मामले में प्रदेश की अशोक गहलोत सरकार कलेक्टर के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी कर रही है।

गौरतलब है कि जैसलमेर जिले से करीब चार किलोमीटर दूर अमर सागर क्षेत्र में रह रहे पाक विस्थापितों के मकानों को कलेक्टर टीना डाबी के आदेश के बाद गिरा दिया गया। यूआईटी ने 50 से ज्यादा मकानों को अतिक्रमण मानते हुए बुलडोजर और जेसीबी से जमींदोज कर दिया। इस कार्रवाई के चलते 150 से महिलाएं, पुरुष और बच्चे अब खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं, उनके सिर पर छत नहीं है, वहीं इस मामले पर प्रशासन का कहना है कि पाकिस्तान से आए हिंदू विस्थापितों ने अमर सागर तलाब के किनारे अवैध मकान बनाए थे, इसके चलते तलाब का पानी आना रुक गया था, इतना ही नहीं कहा ये भी जा रहा है कि ये जमीन काफी किमती है।

ये गंभीर मसला : खाचरियावास

प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि अधिकारियों ने गलत किया उन्हें इसका जवाब देना होगा। उनके उपर कार्रवाई की जाएगी। जैसलमेर में पाकिस्तान से आए हिंदू खाली जमीन पर रह रहे हैं। राजस्थान सरकार की ओर से उन्हें दस्तावेज भी दिया जा रहा है, राजस्थान सरकार के हिसाब से किसी को भी पुनर्वासित किए बिना बेदखल नहीं किया जा सकता। ये गंभीर मसला है, अधिकारियों को इसका सामना करना पड़ेगा।

सपा को धीरेंद्र शास्त्री से इतनी परेशानी क्यों : महंत राजू दास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार में बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम की हलचल यूपी तक पहुंच गई है। पहले समाजवादी पार्टी के ओर से इसपर प्रतिक्रिया आई। जिसके बाद राज्य में सियासी बयानबाजी तेज हुई तो फिर अयोध्या के हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने धीरेंद्र शास्त्री का बचाव किया।

महंत राजू दास ने कहा, एक बाबा से इतना तकलीफ क्यों? जिस प्रकार से धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री रामकथा के माध्यम से, भ्रमण कथा के माध्यम से, कृष्णकथा के माध्यम से और सनातन कथा के माध्यम से हिंदुओं को जागरूक करते हैं। इससे बिहार के नेताओं को तकलीफ क्यों हो रही है। अब यूपी के नेताओं को भी तकलीफ होने लग गई। सपा के नेता का बयान उनके लिए खराब है। अगर देश के सारे संत इस प्रकार से जग जाएं तो मुझे लगता है राजनीतिक लोगों की लुटिया डूब जाएगी।

यूपी में भी बाबा धीरेंद्र शास्त्री का सपा ने विरोध किया था। बाबा धीरेंद्र शास्त्री को लेकर सपा ने एलान किया है कि अगर बाबा यूपी में हिंदू राष्ट्र का एजेंडा लेकर आए तो उनका विरोध किया जाएगा। सपा के प्रवक्ता सुनील सिंह साजन ने कहा, सपा इस देश और प्रदेश का जो समाजिक और राजनीतिक ताना बाना है अगर इसको कोई बिगाड़ता है तो उसके खिलाफ बोलेगी। साथ ही सपा उसके खिलाफ खड़ी होगी।

सपा प्रवक्ता ने कहा, धर्म विशेष के खिलाफ आप अफवाह फैला रहे हैं। ये तब है जब आपके खुद के रिश्तेदार उसी धर्म के लोग हैं। क्या धीरेंद्र शास्त्री के रिश्तेदार मुस्लिम नहीं हैं? धीरेंद्र शास्त्री ये बताएं, या तो वो बीजेपी के एजेंडे पर काम कर रहे हैं या फिर अपने भक्तों के साथ धोखा कर रहे हैं।

दिव्यांशु पाण्डेय को जोन एक की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक सप्ताह से खाली चल रहा है नगर निगम जोन एक के जोनल अधिकारी पद पर कर निर्धारण अधिकारी दिव्यांशु पाण्डेय को तैनात किया गया है। इस पद पर तैनात पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री के छुट्टी पर चले जाने से यह फेरबदल नगर आयुक्त ने किया है।

चर्चा यह भी है कि वह अब लौटकर वापस नहीं आएंगे, क्योंकि जबसे जोनल अफसर बने अलंकार अग्निहोत्री ने नही क्या म्यूटेशन की फाइलें 165 से ज्यादा लंबित पड़ी रहीं। वहीं बच्चों के स्कूल में लगने वाले प्रमाण पत्र भी पड़े रहे। सूत्रों के मुताबिक ये भी जानकारी मिली है। अपने ही दफ्तर में नहीं बैठते थे तो जनता का काम कैसे करते आखिरकार काम में लापरवाही देख नगर आयुक्त ने उनको छुट्टी पर भेज दिया है। दिव्यांशु दो माह पहले ही जोन दो के जोनल अधिकारी बनाये गए थे वहां से उन्हें जोन एक लाया गया है जोन 6 के साथ साथ जोनल अधिकारी नंद किशोर को जोन दो की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गयी है।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली पलटी

दो की हालत गंभीर, 25 घायल, वट अमावस्या पर गंगा स्नान करके लौट रहे थे श्रद्धालु

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलंदशहर। जनपद आगरा से ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर नरौरा गंगागाट के लिए आ रहे श्रद्धालु सड़क हादसे का शिकार हो गए। सुबह करीब साढ़े तीन बजे ट्रक की टक्कर लगने से ट्रैक्टर ट्राली पलटी गई। इसमें सवार करीब 35 श्रद्धालुओं में से 25 घायल हो गए। इनमें दो किशोरियों के हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस ने घायलों को डिबाई स्थित सीएचसी में भर्ती कराया है। जबकि गंभीर हालत के चलते दो किशोरियों को अलीगढ़ हायर सेंटर रेफर किया गया है। वट अमावस्या के चलते जनपद आगरा के थाना बरहन, गांव गढ़ी ढहर निवासी महेंद्र सिंह ने चार दिन पूर्व ही नया ट्रैक्टर खरीदा है। शुक्रवार को वट अमावस्या पर गंगा स्नान के लिए महेंद्र सिंह ने गुरुवार की देर रात पड़ोसियों और उनके बच्चों को ट्रैक्टर ट्राली में बैठाया और नरौरा स्थित गंगा स्नान के लिए निकले। सुबह करीब साढ़े तीन बजे जैसे ही ट्रैक्टर जरगंवा स्थित लाल झंडी आश्रम पर पहुंचा तो पीछे से आए ट्रक की साइड लगने से श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटी पलट गई। ट्राली में पुरुष, महिलाएं और बच्चो सहित 35 श्रद्धालुओं में से 25 घायल हो गए। इनमें 13 वर्षीय खुशबू पुत्री राजू कश्यप तथा 14 वर्षीय भावना पुत्री नरेंद्र सिंह की हालत नाजुक बताई जा रही है। रामघाट थाना पुलिस ने घायलों को दिबाई स्थित सीएचसी में भर्ती कराया। दोनों किशोरियों की हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें अलीगढ़ रेफर किया है। रामघाट थाना प्रभारी नरेश धीमान ने बताया कि हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया है, पत्थर से भरे ट्रक को कब्जे में ले लिया है। घायलों का उपचार चल रहा है और ट्राली के नीचे दबी दो किशोरियों को अलीगढ़ रेफर किया गया है।

कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के तबादले

» महेंद्र प्रसाद प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा व कल्पना अवस्थी अपर मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा बनाई गईं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश शासन ने कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के शुक्रवार सुबह तबादले कर दिए गए। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा सुधीर एम. बोबडे अपर मुख्य सचिव राज्यपाल, देवीपाटन मंडल के कमिश्नर महेंद्र प्रसाद अग्रवाल प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा बने।

योगेश्वर राम मिश्रा बस्ती से देवीपाटन मंडल के कमिश्नर बने। कमिश्नर सहारनपुर लोकेश एम बस्ती कमिश्नर बने। बहराइच के डीएम दिनेश चंद्र डीएम सहारनपुर बनाये गए। मोनिका डीएम बहराइच बनीं। कल्पना अवस्थी अपर मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा बनाई गई हैं।

गेल की बराबरी पर पहुंचे विराट कोहली

» आईपीएल करियर का लगाया छठा शतक

» आरसीबी ने हैदराबाद का 8 विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर का छठा शतक लगाकर क्रिस गेल की बराबरी कर ली है। गेल के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा 6 शतक हैं और अब कोहली भी इस लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

कोहली ने 4 साल बाद आईपीएल में शतक लगाया और कुल टी20 फॉर्मेट में यह उनका 7वां शतक है। वे टी20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। कोहली ने 63 गेंदों में 2 चौके और चार छक्कों की मदद से 100 रन बनाए।

आरसीबी आठ साल बाद हैदराबाद में जीती

विराट के पारी की बदौलत आरसीबी ने 2015 के बाद इस मैदान पर जीत हासिल की है। अब तक वह यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आठ मैच खेल चुकी है। उसे दूसरी जीत नसीब हुई है। 2015 में आरसीबी ने डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर छह विकेट से मैच को अपने नाम किया था। तब कोहली ने 19 गेंद पर नाबाद 44 रन बनाए थे।

कप्तान डु प्लेसिस की तूफानी पारी

कोहली ने आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस के साथ पहले विकेट के लिए 172 रन जोड़े, जो आईपीएल 2023 में किसी भी टीम की ओपनिंग जोड़ी द्वारा सबसे बड़ी पार्टनरशिप है। ऐसे में आरसीबी ने 4 गेंद और 8 विकेट बाकी रहते हुए मैच जीत लिया। इस बीच आरसीबी ने प्लेऑफ की रेस में एक कदम और बढ़ा लिया है। हैदराबाद के खिलाफ तूफानी पारी के बीच कोहली ट्विटर पर ट्रेंड करने लगे। ट्विटर पर कोहली के शॉर्ट्स की जमकर तारीफ हुई और खासतौर से 9वें ओवर में उनके छक्के ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। ऐसे में ट्विटर कोहली की पारी की तारीफ और बधाई संदेश भर गया।

जस्टिस प्रशांत मिश्रा और वरिष्ठ वकील केवी विश्वनाथन बने सुप्रीम कोर्ट के जज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शुक्रवार को सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने 2 नए जजों को सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में शपथ दिलाई। इनमें आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और एडवोकेट केवी विश्वनाथन शामिल थे। इसके साथ ही एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में 34 जजों का कोरम पूरा हो गया है। अगस्त 2030 में केवी विश्वनाथन ही चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनेंगे। विश्वनाथन 24 मई 2031 तक, यानी 9 महीने से ज्यादा देश की टॉप कोर्ट का नेतृत्व करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 16 मई को सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट केवी विश्वनाथन और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा को स्ट का जज बनाने के लिए केंद्र से सिफारिश की थी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस केएम जोसेफ ने केंद्र को सिफारिश भेजी थी। उन्होंने कहा था- सुप्रीम कोर्ट में 34 जज होने चाहिए, लेकिन अभी केवल 32 जज ही हैं। कुछ जजों के रिटायरमेंट के बाद जुलाई के दूसरे हफ्ते तक केवल 28 जज ही बचेंगे। इसी वजह से पहले इन दो जजों की नियुक्ति की जाए।

केंद्र ने 48 घंटे में लगाई मुहर

केंद्र सरकार ने कॉलेजियम की सिफारिश पर 48 घंटे के भीतर ही मुहर लगा दी। इसके तुरंत बाद ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों जजों की नियुक्ति का पत्र भी जारी कर दिया। इसकी जानकारी केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने ट्वीट करके दी है। विश्वनाथन का जन्म 26 मई 1966 को हुआ। विश्वनाथन ने भरथियार यूनिवर्सिटी कोयम्बटूर से कानून की डिग्री पूरी की। उन्होंने 1988 में बार काउंसिल ऑफ तमिलनाडु में दाखिला लिया। सुप्रीम कोर्ट में दो दशकों से अधिक समय तक वकालत करने के बाद उन्हें 2009 में एक सीनियर एडवोकेट के रूप में नामित किया गया। जस्टिस प्रशांत मिश्रा का जन्म छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हुआ। उन्होंने गुरु घासीदास यूनिवर्सिटी से डिग्री ली। रायगढ़ जिला अदालत में प्रैक्टिस करने के साथ ही उन्होंने जबलपुर और बिलासपुर हाईकोर्ट में लंबे समय तक वकालत की। 2005 में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सीनियर एडवोकेट के तौर पर उनके नाम पर मुहर लगाई।

राजनीति पर बात करने का दिन नहीं : रिजिजू

» बोले-भू-विज्ञान मंत्रालय भी बहुत उपयोगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने आज भू-विज्ञान मंत्री के रूप में पदभार संभाला। उन्हें कानून मंत्रालय से यहां भेजा गया है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये मंत्रालय बहुत उपयोगी मंत्रालय है और यहां पर बहुत कुछ काम कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री जी का भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का जो सपना है उसमें मैं देख सकता हूं कि इस मंत्रालय का बहुत बड़ा योगदान होगा। मैं बचपन से ही अर्थ के बारे में काफी इंट्रेस्टेड था किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे अलग-अलग मंत्रालय में काम करने का मौका दिया।

मेरे ऊपर बदले की कार्रवाई कर रही सीबीआई : वानखेड़े

हाईकोर्ट पहुंचे वानखेड़े आज ही होगी सुनवाई

आर्यन की गिरफ्तारी में कथित 25 करोड़ वसूली का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े ने 2021 में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी के संबंध में कथित 25 करोड़ जबरन वसूली मामले में शुक्रवार को बॉम्बे उच्च न्यायालय का रुख किया।

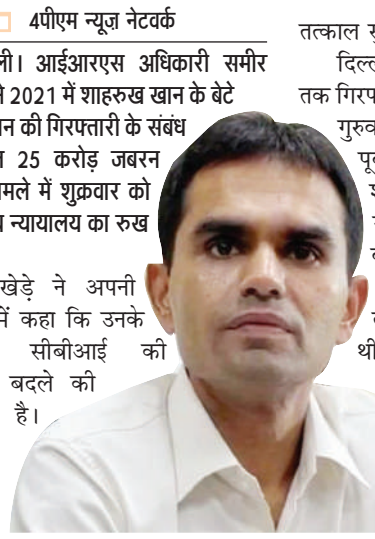

वानखेड़े ने अपनी अपील में कहा कि उनके खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई बदले की कार्रवाई है। दोपहर 2.30 बजे तत्काल सुनवाई की अनुमति दी गई है।

दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 22 मई तक गिरफ्तारी से संरक्षण दिए जाने के बाद गुरुवार को एनसीबी के मुंबई क्षेत्र के पूर्व प्रमुख सीबीआई के समन में शामिल नहीं हुए। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 17 मई को समीर वानखेड़े को और राहत के लिए बंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की छूट दी थी। दिल्ली उच्च न्यायालय में, उन्होंने एनसीबी के उप महानिदेशक ज्ञानेश्वर सिंह के खिलाफ एक क्रॉस-एफआईआर की भी मांग की।

सीबीआई के सामने पेश नहीं हुए थे समीर

पूर्व एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े गुरुवार को सीबीआई के सामने पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। वानखेड़े और अन्य पर 2021 के कार्डेलिया क्रूज ड्रग मामले में आर्यन खान को बचाने के नाम पर शाहरुख खान से कथित तौर पर 25 करोड़ रुपये की घूस मांगने का आरोप है। हालांकि, पर्याप्त सुबूतों के अभाव में एनसीबी ने आरोप पत्र में आर्यन खान का नाम शामिल नहीं किया था। वहीं, वानखेड़े ने गुरुवार को जांच के दौरान अपमानित और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय द्वारा कराई गई ह्ष्टक्च जांच के आधार पर वानखेड़े समेत अन्य 4 पर कथित तौर पर शाहरुख खान से घूस मांगने के आरोप में स्नढ्ढक्रदर्ज की गई थी। इसके बाद वानखेड़े ने पहले गुरुवार को एजेंसी के सामने पेश होने की पेशकश की थी। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को पूछताछ के लिए वानखेड़े उपस्थित नहीं हुए।

डिवाइडर से टकराई कार चार की मौत, तीन घायल

» ट्रक को ओवरटेक करने में हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ-हरदोई हाइवे पर स्थित जिंदौर गांव के पास देर रात एक बजे सड़क हादसे में चार की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हो गये। हादसा ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान हुआ। कार सवार हरदोई के संडीला स्थित अनवरी मोहल्ला के रहने वाले थे। लखनऊ एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस जा रहे थे।

प्रभारी निरीक्षक रहीमाबाद अख्तियार अंसारी के मुताबिक बृहस्पतिवार देर रात जिंदौर गांव के पास एक बजे लखनऊ से हरदोई की तरफ जा रही कार ने ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान चालक कार से नियंत्रण खो दिया। जिसके कारण कार डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में संडीला के अनवरी मोहल्ला निवासी समीना (30), बेटी आशिया (2), अब्दुल रहमान (7) और फातिमा की मौत हो गई। वहीं कार सवार फहद, अमान सहित तीन गंभीर रुप से घायल हो गये।

लोगों को कार का शीशा तोड़कर निकाला गया

पुलिस के मुताबिक हादसा होने की सूचना मिलने पर टीम पहुंची। अंदर चीखपुकार मची थी। दरवाजा लॉक हो गया था। पुलिस ने कार के पिछले हिस्से का शीशा तोड़ा। इसके बाद एक-एक कर सभी को बाहर निकाला। घायलों को एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए परिजन लेकर गये हैं। वहीं मृतकों के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना किया। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर पंचनामा भरकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। परिजन शव लेकर हरदोई चले गये।

फोटो : 4 पीएम

पूजा वट सावित्री व्रत के दिन अखंड सौभाग्य की कामना लेकर पूजा करती महिलाएँ।

महाराष्ट्र में अगले हफ्ते होगा मंत्रिमंडल विस्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिंदे कैंप के 8 नेता बन सकते हैं मंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र में बहुप्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार का खाका तैयार हो गया है। अगले हफ्ते एकनाथ शिंदे सरकार मंत्रिमंडल का विस्तार कर इसे अमली जामा पहनाएगी। इसमें शिंदे कैंप के 8 नेता मंत्री बन सकते हैं। महाराष्ट, में 9 अगस्त 2022 के दिन एकनाथ शिंदे की कैबिनेट का विस्तार हुआ था। 18 विधायकों को मंत्रिपद की शपथ दिलाई गई थी। इनमें 9 मंत्री भाजपा और 9 मंत्री एकनाथ शिंदे गुट के हैं। 30 जून को एकनाथ शिंदे ने सीएम पद की शपथ ली थी। उनके साथ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था।

अगले हफ्ते बारिश और गरज के साथ बौछारों से भीगेंगे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस बार मई की गर्मी ने अब तक दिल्लीवालों को बहुत अधिक परेशान नहीं किया है। भले बिगड़ता मौसम चेतावनी है, लेकिन लोगों को मई के महीने में गर्मी से यह राहत पसंद आ रही है। बारिश के बावजूद अब शुक्रवार से तापमान थोड़ा बढ़ेगा। इस बीच एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस उत्तरी मैदानी इलाकों में फिर से असर दिखाएगा। 22 से 28 मई के बीच कुछ स्थानों पर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

» वेस्टर्न डिस्टरबेंस का उत्तरी मैदान पर होगा असर

22 और 23 मई को बूंदाबांदी होगी। इसके बाद 24 मई से आंधी और बारिश बढ़ेगी। आसमान में बादल छाए रहेंगे। मध्यम गति की हवा बारिश के साथ मिलकर गर्मी को दूर करेगी। बुधवार रात हुई बारिश की वजह से एक बार फिर तापमान में भारी कमी आई है। गुरुवार को सुबह के समय हवाएं ठंडी रहीं। वहीं, दिन में भी मौसम का मिजाज अच्छा रहा। मई में अब तक सामान्य से तीन गुना अधिक बारिश हो चुकी है। 23 और 24 मई को एक बार फिर बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 36.5 रहा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।